Article Date	Headline / Summary	Publication
06 Jul 2026	Insurance Cover: ट्रेन टिकट ऑनलाइन कटाते वक्त 45 पैसे में मिलता है ₹10 लाख का 'ए म्बेडेड इंश्योरेंस' जानिए इसके बारे में	Navbharat Times

Insurance Cover: ट्रेन टिकट ऑनलाइन कटाते वक्त 45 पैसे में मिलता है ₹10 लाख का 'एम्बेडेड इंश्योरेंस' जानिए इसके बारे में

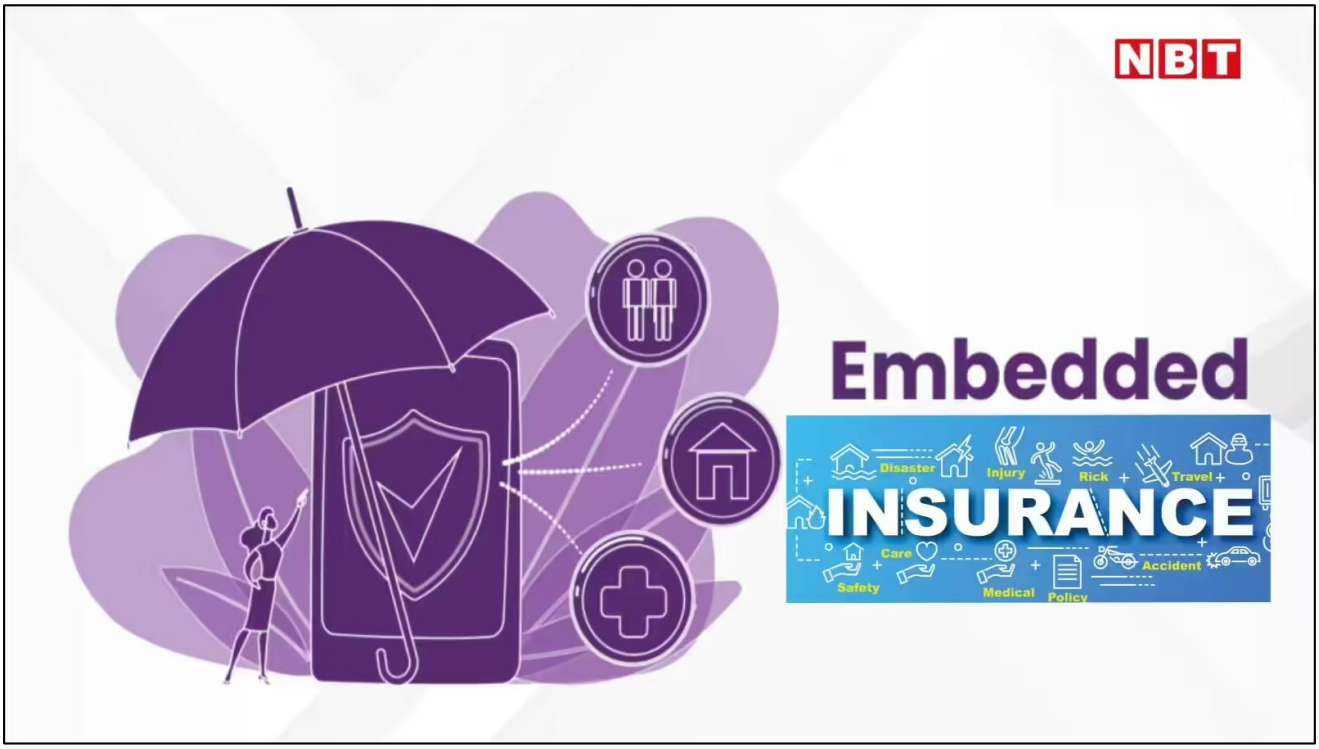

Insurance Policy: आपने कभी ट्रेन टिकट या फ्लाइट टिकट ऑनलाइन लिया है? यह टिकट बुक करते समय आपको बेहद कम प्रीमियम में इंश्योरेंस का ऑप्शन दिखता है। इसी तरह ई-कॉमर्स वेबसाइट से कोई गैजेट या उपकरण खरीदते हैं तो अपने आप या बेहद कम प्रीमियम पर इंश्योरेंस कवर मिल जाता है। बीमा उद्योग की भाषा में इसे एम्बेडेड इंश्योरेंस (Embedded Insurance) कहा जाता है। इसके बारे में हमें बता रहे हैंबजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के चीफ टेक्निकल ऑफिसर अमरनाथ सक्सेना

Embedded Insurance: पारंपरिक रूप से देखें, तो किसी भी वस्तु या सेवा के लिए अलग से इंश्योरेंस कवरेज खरीदना एक मुश्किल काम लगता है। लगता है कि इसके लिए पहले तुलना करने की जरूरत होगी और फिर अलग से पॉलिसी खरीदनी पड़ेगी। लेकिन इंश्योरेंस की खरीदारी करना अब बेहद आसान है। अलग से खरीदने के बजाय अब आप रोज़मर्रा के प्रोडक्ट और सर्विसेज के ज़रिए इसे आसानी से खरीद सकते हैं। यह आपका एक ऐसा सुरक्षा कवच है जिसके लिए आपको अलग से खरीदारी करने की जरूरत नहीं है। जैसे कि लोग जब रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट आईआरसीटीसी या आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट से रेल टिकट खरीदते हैं, तब उन्हें अपनी टिकट के साथ पर्सनल एक्सीडेंट कवर चुनने का विकल्प मिलता है।

एंबेडेड इंश्योरेंस क्या है

एम्बेडेड इंश्योरेंस में ग्राहकों को बिना किसी कागजी कारवाई के या अलग से कोई पॉलिसी खरीदे बिना खरीदारी करते समय सुरक्षा पाने की सुविधा मिलती है। जैसे कि जब आप ऑनलाइन स्मार्टफोन खरीदते हैं, तब चेकआउट पेज पर आपको एक्सीडेंटल डैमेज या चोरी के लिए कवरेज पेश किया जाता है, जिसे आप बस एक क्लिक के जरिए प्राप्त कर सकते हैं। इसी

तरह ट्रेन टिकट या फ्लाइट टिकट ऑनलाइन कटाते वक्त सिर्फ एक क्लिक से बेहद कम प्रीमियम पर इंश्योरेंस की पॉलिसी ले सकते हैं। ट्रेन टिकट के साथ तो महज 45 पैसे में 10 लाख रुपये के इंश्योरेंस का कवरेज मिलता है।

कैसे मिलता है यह इंश्योरेंस

किसी वस्तु या सेवा के साथ एक क्लिक पर मिलने वाला इंश्योरेंस तकनीकी एकीकरण का परिणाम है। इस एकीकरण को एपीआई और इंश्योरेंस कंपनियों तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के आपसी सहयोग से संभव बनाया गया है। इससे आप न केवल आसानी से इंश्योरेंस की सुरक्षा पाते हैं, बल्कि यह सुरक्षा बेहद किफायती या कम कीमत पर भी मिलती है। आईडीसी के अनुसार, कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के मामले में भारत एक तेज़ी से बढ़ता हुआ बाज़ार है, जहां वर्ष 2024 में स्मार्टफोन की शिपमेंट 150 मिलियन यूनिट को पार कर गई थी। इसलिए एंबेडेड इंश्योरेंस का बाजार भी इसी तरह से बढ़ रहा है।

एंबेडेड इंश्योरेंस के कितने प्रकार

एम्बेडेड इंश्योरेंस के दो प्रकार होते हैं। पहला ऑटोमैटिक और दूसरा ऑप्ट-इन। प्रोडक्ट और प्लेटफॉर्म के आधार पर, ग्राहक के सामने या तो मामूली प्रीमियम भरकर उस प्रोडक्ट के लिए इंश्योरेंस कवरेज प्राप्त करने का विकल्प होता है। या फिर, उस प्रोडक्ट की कीमत में ही इंश्योरेंस शामिल होता है, जिसके लिए ग्राहक को पहले इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। आज स्मार्टफोन में पहले से ही एक्सीडेंटल डैमेज, चोरी और एक्सटेंडेड वारंटी जैसी चीज़ें शामिल होती हैं। कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे कि Flipkart और Amazon के साथ-साथ Reliance Digital और Croma जैसे स्टोर में भी इन्हें शामिल किया गया है। यहां तक कि लैपटॉप और टैबलेट के लिए भी हार्डवेयर खराब होने और दुर्घटना से क्षति की सुरक्षा पेश की जाती है और खरीदारी के समय ही इसे आपके इंश्योरेंस में जोड़ दिया जाता है। इसके अलावा, स्मार्टवॉच, फिटनेस बैंड जैसे पहने जाने वाले स्मार्ट डिवाइसों के प्रीमियम मॉडल्स पर टूट-फूट या खराबी के लिए भी इन-बिल्ट कवरेज दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर ट्रेन के टिकट की बुकिंग के समय आपको इंश्योरेंस की सुरक्षा के लिए ऑप्ट करना होता है। यह सुरक्षा बेहद कम प्रीमियम, 45 पैसे प्रति व्यक्ति, मिलती है।

क्या है फायदा

इस तरह के इंश्योरेंस के फायदे या सहूलियत की बात करें तो पता चलेगा कि इसके लिए अलग से किसी एप्लीकेशन या एजेंट की ज़रूरत नहीं होती है। एम्बेडेड इंश्योरेंस में प्रीमियम भी काफी कम होता हे। साथ ही खरीदारी के समय आपको भरोसेमंद ब्रांड की ओर से जो कवरेज मिलता है वे इसे और फायदेमंद बनाते हैं। पॉलिसी का प्रीमियम इतना कम होता है कि लोगों की जेब पर ज्यादा असर भी नहीं पड़ता है। लेकिन यदि कोई अनहोनी हो जाए तो वैसी स्थिति में भारी सुरक्षा मिलती है।

इंश्योरेंस की अवधि कितनी

एक विस्तृत शोध के अनुसार, एम्बेडेड इंश्योरेंस में प्रोडक्ट लॉन्च के समय को 12 महीनों से घटाकर कुछ हफ्तों का कर दिया गया है। इससे इंश्योरेंस कंपनियों के लिए यह किफायती होने के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए भी बेहद आकर्षक बन जाता है। एम्बेडेड इंश्योरेंस के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के लिए एक्सटेंडेड वारंटी भी एक बेहतरीन विकल्प है। इस मामले में लोगों को इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरण या वाहन जैसे प्रोडक्ट पर निर्माता की वारंटी बढ़ाने के लिए अतिरिक्त राशि का भुगतान करने की ज़रूरत होती है। जब वारंटी मूल रूप से खत्म हो जाती है, तब मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल खराबी होने पर मरम्मत या सामान बदलने में आने वाले खर्चों को कवर किया जाता है।